समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(बीएसडब्ल्यूजी –तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

सत्रीय कार्य : 2022–2023

पाठ्यक्रम शीर्षक

तृतीय सेमेस्टर

बीएसडब्ल्यू–124: मानव विकास, व्यवहार और परामर्श

बीएसडब्ल्यू–125: सामाजिक व्यैक्तिक कार्य और सामाजिक समूह कार्य

चतुर्थ सेमेस्टर

बीएसडब्ल्यू–126: परिवार स्थापन में सामाजिक कार्य

बीएसडब्ल्यू–127: जन स्वास्थ्य और एचआईवी/एड्स

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख:
जुलाई, 2022 सत्र–मार्च 31,2023
जनवरी, 2023 सत्र–सितम्बर 30,2023

नोट: कृपया उन पाठ्यक्रमों के लिए सत्रीय कार्य लिखें जो सेमेस्टर के अनुसार आपके लिए प्रासंगिक हों।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यूजी कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यूजी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू.जी अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

(डॉ.सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक
email:sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph: 011–29571697

मानव विकास, व्यवहार और परामर्श

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःबीएसडब्ल्यू–124
कुल अंक – 100

नोट :

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी पाँच के उत्तर 300 शब्दों में दें।
(ii) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. बाल्यावस्था और इसके विभिन्न विकासात्मक पहलुओं को संक्षेप में समझाइए। 20

2. किशोरों की चिंताओं का वर्णन करें। 20

3. व्यक्तित्व विकास में आनुवंशिकता, सीखने और पर्यावरण की भूमिका की व्याख्या करें। 20

4 मास्लो की योजना में आवश्यकताओं की प्रणाली पर प्रकाश डालिए । 20

5. समाज कार्य अभ्यास में मनोविज्ञान की उपयोगिता संक्षेप में लिखिए । 20

6. उपयुक्त उदाहरणों के साथ विभिन्न प्रकार के रक्षा तंत्रों की चर्चा कीजिए। 20

7. असामान्यता के विभिन्न कारणों की व्याख्या कीजिए। 20

8. परामर्श में संज्ञानात्मक तकनीकों का वर्णन करें। 20

सामाजिक व्यैक्तिक कार्य और सामाजिक समूह कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःबीएसडब्ल्यू–125
कुल अंक – 100

नोट :

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी पाँच के उत्तर 300 शब्दों में दें।
(ii) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. भारत में वैयक्तिक कार्य के ऐतिहासिक विकास की व्याख्या कीजिए। 20

2. सामाजिक समूह कार्य अभ्यास के चरणों की चर्चा करें। 20

3. प्रभावी वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया में व्यक्ति, समस्या, स्थान और प्रक्रिया की भूमिका का वर्णन करें। 20

4 उन बाधाओं की व्याख्या करें जो साक्षात्कार की सुगम प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। 20

5. एक सफल नेता के गुणों की चर्चा कीजिए। 20

6. व्यक्तित्व विकास पर समूहों के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। 20

7. परिवर्तन के साधन के रूप में समूह की चर्चा कीजिए। 20

8. समूह कार्य प्रक्रिया में सामाजिक समूह कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 20

परिवार स्थापन में सामाजिक कार्य

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःबीएसडब्ल्यू–126
कुल अंक – 100

नोट :

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी पाँच के उत्तर 300 शब्दों में दें।
(ii) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. पारिवारिक जीवन शिक्षा के अर्थ, आवश्यकता और लाभों की विवेचना कीजिए। 20

2. व्यक्तित्व विकास के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 20

3. यौन स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता और महत्व की व्याख्या करें। 20

4 भारतीय परिवार को प्रभावित करने वाले सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए। 20

5. आम तौर पर लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए। 20

6. गर्भावस्था की कानूनी समाप्ति के लिए विभिन्न आधारों की रूपरेखा तैयार करें। 20

7. साथी, बच्चों और परिवार पर तलाक के मनोवैज्ञानिक–सामाजिक परिणामों का उल्लेख कीजिए। 20

8. घरेलू हिंसा के कारणों और प्रभावों की विवेचना कीजिए। इसे कम करने के उपायों की सूची बनाइए। 20

जन स्वास्थ्य और एचआईवी/एड्स

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःबीएसडब्ल्यू–127
कुल अंक – 100

नोट :

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी पाँच के उत्तर 300 शब्दों में दें।
(ii) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. सार्वजनिक स्वास्थ्य की बदलती अवधारणाओं पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

2. एचआईवी/एड्स से संक्रमित होने के जोखिम में कमजोर आबादी कौन हैं? समझाना। 20

3. प्रासंगिक उदाहरणों के साथ वर्णन करें कि कोई व्यक्ति एचआईवी/एड्स के साथ सकारात्मक रूप से कैसे जी सकता है। 20

4 हमारे समाज में कौन से सामाजिक–सांस्कृतिक कारक मौजूद हैं जो महिलाओं को एचआईवी संक्रमण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं? 20

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए :
   क) एड्स अन्य बीमारियों से अलग क्यों है? 10
   ख) एचआईवी/एड्स के संबंध में किन्हीं पांच मिथकों के बारे में लिखिए। 10

6. एक एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति को परामर्श देने की आवश्यकता के कारण बताइए। पूर्व–परीक्षण और बाद–परीक्षण परामर्श के बारे में एक संक्षिप्त नोट लिखें। 20

7. जीवन कौशल शिक्षा को परिभाषित करें। जीवन कौशल शिक्षा की विभिन्न श्रेणियों की चर्चा कीजिए। 20

8. यौन अल्पसंख्यकों के रूप में किसे जाना जाता है? यौन अल्पसंख्यकों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की चर्चा कीजिए। 20